

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

ब्लू व्हेल चैलेंज (चुनौती): अभिभावकों को क्या जानकारी होना चाहिए

क) ब्लू व्हेल चैलेंज खेल क्या है और माता – पिता को इसके बारे में चिंतित क्यों होना चाहिए?

1. ब्लू व्हेल चुनौती एक ऑनलाइन गेम है खेल का नाम ऐसा इसलिए रखा गया है क्योंकि कभी-कभी व्हेल समुद्र तट पर खुद को जान बूझ कर मरने के लिए आती है
2. इस गेम में, एक ऑनलाइन व्यवस्थापक अपने प्रतिभागियों को कार्य प्रदान करता है प्रतिभागियों को प्रत्येक कार्य को पूरा करने के लिए 50 दिन की अवधि दी जाती है। खिलाड़ियों को यह चुनौती स्वीकार करते हुए खुद की फोटो लेनी होती है और उसे अपलोड करना होता है. इस खेल की आखिरी चुनौती आत्महत्या करना है. इस खेल के खिलाड़ी खेल बीच में नहीं रोक सकते क्योंकि उन्हें ब्लैकमेल किया जाता है और खेल को पूरा करने के लिए उनपर दबाव डाला जाता है
3. यह घातक खेल पूरे विश्व में फैल चुका है। और भारत में रिपोर्टों (रिपोर्ट 1 एवं रिपोर्ट 2) के अनुसार बच्चे खुद को नुकसान पहुंचा रहे हैं और यहाँ तक कि आत्महत्या के कुछ मामले भी सामने आये हैं भारत में इस खेल से जुड़े 6 से ज़्यादा बच्चों ने,(जो कि 12-19 वर्ष के हैं), पिछले दो हफ्तों में इस खेल को खेलते हुए कथित रूप से अपनी जान गवाई है

ख) बच्चे इस खेल को कहाँ से ले सकते हैं या कहा से इस खेल तक पहुंच सकते हैं?

ब्लू व्हेल एक स्वतंत्र रूप से डाउनलोड करने योग्य गेम, एप्लिकेशन या सॉफ्टवेयर नहीं है। बच्चे इस खेल को अपने मोबाइल फ़ोन पर प्ले स्टोर या किसी सामाजिक लिंक से (जैसे की Facebook) से डाउनलोड नहीं कर सकते यह सोशल मीडिया नेटवर्क पर गुप्त समूहों में भेजा जाता है. इस खेल के क्रिएटर अर्थात रचनाकार अपने खिलाड़ियों / शिकार की तलाश करते हैं और उन्हें एक निमंत्रण भेज कर इस खेल में शामिल होने को कहते हैं

ग) खिलाड़ियों को इस खेल में किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है?

इस खेल की कुछ चुनौतियां नीचे दी गई हैं यह चुनौतियों की लिस्ट (सूची) कोई स्टैंडर्ड सूची नहीं है यह भी संभव है की कि इस खेल का क्यूरेटर (निरीक्षक) किसी नई चुनौती के साथ आ सकता है

1. रेज़र/चाकू /उस्तरे से अपने हाथ की चमड़ी को काटकर "F57" लिखे और निरीक्षक को उसके फोटो भेजे
2. सुबह 4:20 पर जगे और निरीक्षक द्वारा भेजी गई डरावनी वीडियो या मन को ख़राब करने वाली अजीबो गरीब देखे
3. अपने हाथ की चमड़ी पर रेज़र/चाकू या किसी धार दार वस्तु से केवल 3 निशान बनायें (जो ज्यादा गहरे न हो) और निरीक्षक को इसकी फोटो भेजे.
4. एक कागज़ पर ब्लू व्हेल का चित्र बनाये और निरीक्षक को फोटो भेजे

5. अगर आप ब्लू व्हेल बनने के लिए तैयार हैं तो अपने पैर पर हाँ (yes) बनाये और अगर नहीं हैं तो अपने आप को सज़ा के तौर पर कई बार काटे
6. गुप्त रूप से कार्य करे
- 7.अपने हाथ पर “F40” का निशान खोदे (धारदार वस्तु से) और निरीक्षक को फोटो भेजे
8. आपको अपने डर को दूर भगाना होगा
- 9.सुबह 4:20 पर उठे और छत पर जाये (जितनी ऊँची जगह होगी उतना बेहतर होगा)
10. किसी धारदार वस्तु से अपने हाथ पर व्हेल बनाये और निरीक्षक को फोटो भेजे
11. पूरा पूरा दिन डरावनी व विकृतकारी वीडियो देखे
12. क्यूरेटर द्वारा भेजे गए संगीत को सुने
13. अपना होंठ काटे
- 14.अपने हाथ को सुई से कई बार छेदे
15. अपने साथ कुछ दर्दनाक करे, अपने आप को 17 बार बीमार बनाये. सबसे ऊँची छत जो आप पा सकते हो वह जाएं और उसके एक दम किनारे पर कुछ समय के लिए खड़े हो जाएं
16. किसी पुल पर जाएं और उसके किनारे पर खड़े हो जाएं
17. किसी क्रेन पर चढ़े या कम से कम चढ़ने की कोशिश करे

18. क्यूरेटर (निरीक्षक) बीच बीच में इस बात की जाँच करता है कि क्या आप भरोसे के लायक हैं

19. स्काइप पर व्हेल (अपने जैसे ही किसी दूसरे खिलाड़ी या क्यूरेटर) से बात करे

20. किसी ऊँची छत पर जाये और उसके किनारे पर पैर लटका कर बैठे

21. क्यूरेटर (निरीक्षक) आपको आपको मौत की तारीख बतएगा और आपको उसे स्वीकार करना होगा

22. सुबह 4:20 पर उठे और किसी रेल पर जाये (किसी भी रेल रोड पर जो आपको मिल सकती है)

23. पूरा एक दिन किसी से भी बात नहीं करे

24. हर रोज़ सुबह 4:20 पर उठे

25. डरावनी या दिल दहलाने देने वाली वीडियो देखे

26. क्यूरेटर (निरीक्षक) द्वारा भेजे गए संगीत को सुने

27. हर रोज़ अपने शरीर पर धारदार चीज़ से निशान बनायें

28. किसी ऊँची ईमारत से कूद कर अपनी जान दे

घ) सरकार ने इंटरनेट कंपनियों को इस खेल पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए हैं। पर माता पिता को क्या अभी भी चिंतित होना चाहिए?

1. हालांकि सरकार ने गूगल, फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, इन सभी कंपनियों को यह कहा है कि वे इस खतरनाक खेल से सम्बंधित लिंक को तुरंत हटा दे और कोशिश करे की यह आगे की और न बढ़े. पर अभी यह स्पस्ट नहीं है के ये कम्पनिया किस तरह से इस खेल को रोक पायेंगी. क्योंकि यह खेल सार्वजनिक और स्वतंत्र रूप से उपलब्ध नहीं है. यह खेल गुप्त रूप से खिलाड़ियों तक पहुँचता है, और उन्हें इस खेल का हिस्सा बनाता है. आप इस खेल का हिस्सा तभी बन सकते है जब खेल का क्यूरेटर आपको संपर्क करेगा और आपको संभावित रूप से इस खेल का उमीदवार / व्हेल चुनेगा.
2. इसके अलावा यह खेल अब कुछ अलग नामो से भी उपलब्ध है जैसे की ए साइलेंट हाऊस, ए सी ऑफ व्हेल्स और वेक मी उप at 4:20 ऍ.ऍम (मुझे सुबह 4:20 पर उठा दे)

ड) कौन से आयु वर्गका इस खेल में भाग लेने की सबसे अधिक समभावना है?

युवा और किशोर (12-19 आयु) वर्ग के बच्चे जो कि सोशल मिडिया का सबसे असुरक्षित समूह है, उनका इस खेल में फसने की सबसे अधिक संभावना है

च) वे कौन से लक्षण या पहचान चिन्ह है जिनसे आप मालूम कर सकते है कि यह युवा / किशोर इस खेल में शामिल हो सकता है या उसके शामिल होने कि संभावना है

अधिकांश मनोवैज्ञानिक कहते है कि जब बच्चा ज़्यदा समय अपने साथ ही या अकेले बिताने लगे, परिवार और दोस्तों से बातचीत करना बंद कर दे, अक्सर घर से भागने के या मौत के बारे

में बात करने लगे, और बच्चे के सोने और खाने की आदतों में बदलाव आने लगे, तो परिवार को बच्चे पर विशेष ध्यान देना शुरू कर देना चाहिए .यह कुछ विशेष परिवर्तन और लक्षण है जो कि उसमें देखे जा सकते हैं अगर बच्चे ने इस खेल में भाग लेना शुरू कर दिया है तो.

छ) माता - पिता अपने बच्चों को ऐसे घातक ऑनलाइन खेल में भाग लेने से कैसे रोक सकते हैं?

निचे कुछ निर्देश दिए गए हैं जिनसे आप अपने बच्चोंको ऐसे ऑनलाइन खेलों से दूर रख सकते हैं :

1. किसी भी समस्या के बारे में सही जानकारी रखना बहुत महत्वपूर्ण है. संचार माध्यम अभी तक इस मुद्दे पर कुछ स्पष्ट नहीं बता पा रहे हैं अब तक कि हुई आत्महत्याएँ इस खेल से जुड़ी हैं या नहीं? हो सकता है आपका बच्चा समाचार के माध्यमों से इस खेल के बारे में तमाम चर्चाओं के कारण इस विषय पर उठे तमाम सवालों और अनिश्चिंताओं को देखते हुए इस बात की जरूरत है कि हम बच्चों से इस पर चर्चा करें और ऐसे उपाय करें जिससे कि उनके साथ कोई दुर्घटना घटित न हो

2. यह सुनिश्चित करें कि आपका बच्चा अपनी उम्र के उपयुक्त ऑनलाइन साइट्स तक पहुंचे जो कि उसे किसी भी प्रकार की हिंसा या दुर्व्यवहार या अनैतिक व्यवहार की ओर न ले जाये

3. हमेशा यह सुनिश्चित करे कि आपका बच्चा घर में आम जगह पर रखे कंप्यूटर से ही इंटरनेट पर काम कर रहा हो
4. नियमित रूप से अपने बच्चे से बात करे ऑनलाइन की दुनिया का उसके साथ बैठकर प्रयोग करे और ऐसी ऑनलाइन साइट्स उसे दिखये जो कि अच्छी ऑनलाइन गतिविधियाँ और नैतिक आदते बच्चो को सिखाती है
5. बच्चे द्वारा उपयोग किए जा रहे सभी इंटरनेट उपकरणों पर पेरेंट्स कण्ट्रोल का प्रयोग करना चाहिए तथा बच्चे की ऑनलाइन गतिविधियों पर नज़र रखनी चाहिए
6. अपने बच्चे के लिए एक आदर्श माता पिता बने और खुद की ऑनलाइन गतिविधियों के प्रति भी सतर्क रहे
7. अन्य अभिभावकों से बात करें, और यदि कोई चिंता हो तो आपस में बात करके बच्चे की मदद करने के सही तरीको पर चर्चा करे
8. इंटरनेट की दुनिया से अपने आपको परिचित रखे
9. अपने बच्चे के व्यवहार पर बारीकी से नज़र रखे उसके किसी भी असामान्य व्यवहार जैसे कि चिड़चिड़ापन, कम बात करना, पढाई में रुचि की कमी और स्कूल में नंबर कम आना आदि से सावधान हो जाये और इस तरह के बदलावों को ध्यान में रखते हुए, उनकी ऑनलाइन गतिविधियों को ध्यान से देखें, तथा स्कूल के अधिकारियों से बात करें या बाल मनोवैज्ञानिक से परामर्श करें

10. यदि आपको पता चलता है कि आपका बच्चा पहले से ही ब्लू व्हेल चैलेंज खेल रहा है, तो तुरंत उसे किसी भी उपकरण /डिवाइस से इंटरनेट का उपयोग करने से रोकें।

11. स्थानीय पुलिस अधिकारियों को इस बारे में सूचित करें कि अब तक क्या हुआ है और आगे क्या करना है इस पर उनकी सलाह ले

ज) इस विषय पर शिक्षक कैसे मदद कर सकते हैं?

- शिक्षकों को बच्चों के गिरते ग्रेड और सामाजिक व्यवहार पर नज़र रखना चाहिए
- उन्हें हर बच्चे के व्यवहार पर तीखी नजर रखनी चाहिए
- शिक्षकों को बच्चे के असामाजिक व्यवहार / क्रिया कलापो पर नज़र रखनी चाहिए और ऐसे बच्चों से व्यक्तिगत रूप से बात करनी चाहिए जो कि दूसरे बच्चों से बहुत ज़्यादा बात नहीं करते या फिर कटे कटे रहते हैं
- अगर बच्चे में उन्हें कोई चीज़ संदेहास्पद या खतरनाक लगती है, तो उन्हें तुरंत स्कूल अधिकारियों को इस बारे में सूचित करना चाहिए
- शिक्षकों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चे स्कूल में किसी गैजेट (इलेक्ट्रॉनिक उपकरण) का उपयोग न करें
- उन्हें ये भी सुनिश्चित करना चाहिए के वे बच्चों को समय समय पर इंटरनेट के लाभ और हानियों के बारे में जानकारी देते रहे

झ)अगर अगर इस जानकारी से आपको कोई मदद न मिले, तो आप किससे संपर्क कर सकते हैं?

- NIMHANS
- AASRA
- SNEHA INDIA, CHENNAI
- THE SAMARITANS MUMBAI
- CONNECTING INDIA, PUNE
- MAITHRI, KOCHI
- SUMAITRI
- LIFELINE FOUNDATION
- SAATH
- ICALL, MUMBAI (+91 22 2556 3291, e-mail – icall@tiss.edu)
- PRATHEEKSHA, KERALA (+91 484 2448830 E-mail rajiravi2000@hotmail.com)
- PRATHYASA, IRINJALAKUDA (+91-480 – 2820091)
- THANAL, KERALA (0495 237 1100 E-mail – thanal.calicut@gmail.com)
- MAITREYI, PONDICHERRY (+91-413-339999)
- ROSHNI, SECUNDERABAD (040 790 4646 E-mail – help@roshnihyd.org)